Two Day National Seminar on

'We the People @ 75: Navigating Social Justice and Global Peace'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 07-02-2025**

A Two Day National Seminar inaugurated at CUH

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Two Day National Seminar on 'We the People @75, Navigating Social Justice and Global Peace' was successfully commenced on February 6, in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh by department of political science in collaboration with department of law sponsored by Indian council of world affairs (ICWA). Dr. Manish from Central University Gujrat as keynote speaker and Dr. Arnab Chakraborty from ICWA as the chief guest enhanced the pride of the event. Professor Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of CUH presided over the inaugural session. Prof. Tankeshwar, in his presidential address told the importance of two important concepts I.e. Peace and Justice and how they are significant for the larger humanity. He put emphasis on the identification and redressal of the causes and factors the pose a serious threat to social justice and global peace. Prof. highlighted the role of India and Indian citizens to make the earth a better place to live for humanity by taking inspiration from its glorious ancient past. The event began with a traditional and auspicious start as the lamp was lit, symbolizing the illumination of knowledge and wisdom. This was followed by the rendition of the University Kulgeet, which filled the atmosphere with a sense of pride and unity among the attendees. Professor Rajeev Kumar Singh, Head, Department of Political Science, first of all briefed about the seminar and formally welcomed all the dignitaries present at the event. He also emphasized over the Indian philosophical tradition and its impact on the Indian constitution which talks about the peaceful resolution of disputes at international level under its Directive principles. Professor also talked about the need for a fair evaluation that to what extent India has achieved its ideals and what are the ares where a lot of work is still required to be done.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 07-02-2025**

कूटनीतिक प्रयासों से विकसित बनेगा भारत : मनीष

महेंद्रगढ़, 6 फरवरी (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75: सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की गुरुवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति' और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर दिया।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित इस सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उद्घाटन भाषण में भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. मनीष ने अपने संबोधन की शुरुआत सेमिनार के विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमनें स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उपनिवेशवाद से मुक्ति के बाद भारत ने बहुत लंबा रास्ता तय किया है।

सिद्धांत में विश्वास करता है। विश्व एक परिवार है और भारत निश्चित रूप से विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रो. मनीष ने कहा कि भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयास केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि डॉ. अर्नब चक्रवर्ती ने भारतीय विदेश नीति के विकास को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. रमेश कुमार ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सेमिनार के प्रतिभागियों सहित अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहें। उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रो. पायल चंदेल की अध्यक्षता में सत्र आयोजित किया गया। इसमें इग्नू, नई दिल्ली से प्रोफेसर सतीश कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ. अमित सिंह; आईजीएनटीयू, अमरकंटक से डा. नरेश सोनकर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-02-2025**

सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले की पहचान और निवारण जरुरी

कूटनीतिक प्रयासों से विकसित बनेगा भारत

- हकेंवि में सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत

राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मंचासीन कुलपति, मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि एवं आयोजक। (छाया: पंजाब केसरी)

महेंद्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75 प्रतिशत सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति' की दिशा में विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की गुरुवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति' और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर दिया। कुलपति ने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर पृथ्वी को मानवता के रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में भारत और भारतीय नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित इस सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उद्घाटन भाषण में भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. मनीष ने अपने संबोधन की शुरुआत सेमिनार के विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते। हमनें स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उपनिवेशवाद से मुक्ति के बाद भारत ने बहुत लंबा रास्ता तय किया है। प्रो. मनीष ने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से प्रगति कर रही है और भारत अपनी विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से आजादी के 100वें साल तक भारत एक विकसित देश बन जाएगा। भारतीय विदेश नीति की वैचारिक नींव इसके समृद्ध प्राचीन अतीत में निहित है।

पंजाब केसरी
Fri, 07 February 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/76765756

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 07-02-2025**

विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से विकसित बनेगा भारत : प्रो. मनीष

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के राजनीति विज्ञान व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एक्ट 75: सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजि किया गया।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा इस सेमिनार का उद्घाटन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुआ। गुजरात केंद्रीय विवि के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. मनीष ने कहा कि भारत की विदेश नीति 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर आधारित है और देश 100वें स्वतंत्रता वर्ष तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। डॉ. अर्नब चक्रवर्ती ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट के समाधान में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। सेमिनार के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह व सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इसके बाद प्रो. पायल चंदेल की अध्यक्षता में सत्र आयोजित हुआ, जिसमें प्रो. सतीश कुमार (इग्नू, नई दिल्ली), डॉ. अमित सिंह (जेएनयू, दिल्ली), डॉ. नरेश सोनकर (आईजीएनटीयू, अमरकंटक) सहित कई शिक्षाविद् मुख्य वक्ता रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 07-02-2025**

विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से विकसित बनेगा भारत : प्रो. मनीष

हकेवि में सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75ः सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की गुरुवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति' और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर

दिया। कुलपति ने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर पृथ्वी को मानवता के रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में भारत और भारतीय नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित इस सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उद्घाटन भाषण में भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. मनीष ने अपने संबोधन की शुरुआत सेमिनार के विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमनें स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उपनिवेशवाद से मुक्ति के बाद भारत ने बहुत लंबा रास्ता तय किया है। प्रो. मनीष ने कहा कि भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयास केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

आयोजन में विशिष्ठ अतिथि डॉ. अर्नब चक्रवर्ती ने भारतीय विदेश नीति के विकास को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. रमेश कुमार ने प्रस्तुत किया। इसमें इग्नू, नई दिल्ली से प्रोफेसर सतीश कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ. अमित सिंह; आईजीएनटीयू, अमरकंटक से डॉ. नरेश सोनकर; डीएवी पीजी कॉलेज, वाराणसी से डॉ. जियाउद्दीन; एएमयू, अलीगढ़ से प्रोफेसर मोहम्मद आफताब आलम, अमरकंटक से डॉ. अनिल कुमार, जेवियर कॉलेज, रांची से डॉ. श्रेया पांडे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 07-02-2025**

'सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते'

राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. मनीष का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेशवरकुमार ● सौजन्यः हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75: सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की गुरुवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डा. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति' और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर दिया। उन्होंने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर पृथ्वी को मानवता के रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में भारत और भारतीय नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित इस सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात सेमिनार के सह संयोजक डा. प्रदीप कुमार सिंह ने दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के संयोजक डा. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. मनीष ने कहा कि हम सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 07-02-2025**

'विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से विकसित बनेगा भारत'

नारनौल, 6 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75' सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की बृहस्पतिवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति' और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर दिया। कुलपति ने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर पृथ्वी को मानवता के रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में भारत और भारतीय नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उद्घाटन भाषण में भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 07 February 2025 https://epaper.dainiktrib

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 07-02-2025**

विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : प्रो. मनीष

- हकेवि में सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार कह हुई शुरुआत।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मंचासीन कुलपति, मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि एवं आयोजक तथा राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो मनीष का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75:सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की गुरुवार को शुरुआत हुई। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष मुख्य वक्ता तथा आईसीडब्ल्यूए के डॉ. अर्नब चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि 'शांति और 'न्याय' कैसे मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाले कारणों और कारकों की पहचान और निवारण पर जोर दिया।भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में आयोजित इस सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। तत्पश्चात सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए दो दिवसीय आयोजन के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

आयोजन के संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों से समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय दार्शनिक परंपरा और भारतीय संविधान पर इसके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की पीठ प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उद्घाटन भाषण में भारत समावेशी विकास के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. मनीष ने अपने संबोधन की शुरुआत सेमिनार के विषय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सामाजिक न्याय को वैश्विक न्याय से अलग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमनें स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।प्रो. मनीष ने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से प्रगति कर रही है और भारत अपनी विदेश नीति व कूटनीतिक प्रयासों से आजादी के 100वें साल तक भारत एक विकसित देश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश नीति की वैचारिक नींव इसके समृद्ध प्राचीन अतीत में निहित है। हमारी विदेश नीति वेदों, रामायण और महाभारत जैसे हमारे धर्मग्रंथों के आदर्शों से प्रेरणा लेती है जो वैश्विक स्तर पर शांति की बात करते है। प्रो. मनीष ने कहा कि भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयास केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि डॉ. अर्नब चक्रवर्ती ने भारतीय विदेश नीति के विकास को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कैसे भारत ने शुरू से ही अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी आगामी विश्व समस्याओं के निवारण में भारत के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. रमेश कुमार ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सेमिनार के प्रतिभागियों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहें। उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रो. पायल चंदेल की अध्यक्षता में सत्र आयोजित किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-02-2025**

भारत ने सदा मानवीय मूल्यों और शांति को प्राथमिकता दी

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी पहुंचे

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग की ओर से हम लोग एट 75: सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार का शुक्रवार को समापन हुआ।

प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं वैश्विक शांति देश के संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के आधार पर एक समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के सिद्धांत हमें सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की शिक्षा देते हैं। भारत ने हमेशा विश्व बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पक्ष में रहा हे।

मुख्यातिथि प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा से शांति और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दिया है। इसी क्रम में प्रो. रिपुसुदन सिह ने विकसित भारत और विश्व बंधुत्व की संकल्पना को

मुख्य वक्ता प्रो. रिपुसुदन सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते प्रो. राजीव कुमार सिंह। स्रोत : हकेंवि

सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति से जोड़ते अपना व्याख्यान दिया। सेमिनार के सह संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा करते हुए बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विषय के विविध आयामों पर चर्चा की।

इससे पूर्व सेमिनार के दूसरे की ऑनलाइन तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने की जबकि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. अपर्णा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। इस सत्र में 25 शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि अवश्य ही यह सेमिनार न्यायपूर्ण व शांतिपूर्ण समाज की दिशा में अकादमिक जगत की भूमिका को पुनः स्थापित करने में मददगार होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-02-2025**

'संविधान से प्रेरणा लेकर शांति और न्याय की राह पर अग्रसर हों'

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75: सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार का शुक्रवार को समापन हो गया। भारतीय वैश्विक परिषद् (आइसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में जवाहरलाल नेहरु (जेएनयू), नई दिल्ली के मानवाधिकार केंद्र के निदेशक प्रो. शांतेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि तथा बीबीएओयू के प्रो. रिपुसुदन सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने समापन सत्र की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि अवश्य ही यह सेमिनार न्यायपूर्ण व शांतिपूर्ण समाज की दिशा में अकादमिक जगत की भूमिका को पुनः स्थापित करने में मददगार होगा।

सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. रिपुसुदन सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते प्रो. राजीव कुमार सिंह● सौजन्य: हकेवि

प्रो. सुनील कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि 'सामाजिक न्याय एवं वैश्विक शांति' हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। हमारा संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के आधार पर एक समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के सिद्धांत हमें सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की शिक्षा देते हैं। भारत ने हमेशा विश्व बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पक्ष में रहा है। आज, जब वैश्विक स्तर पर संघर्ष और अस्थिरता की स्थिति बनी हुई है, तब हमारा कर्तव्य है कि हम अपने संविधान से प्रेरणा लेकर शांति और न्याय की राह पर अग्रसर हों। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने भारतीय संविधान को विश्व शांति और सह-अस्तित्व के लिए प्रेरक बताते हुए कहा कि भारत ने हमेशा से शांति व मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में प्रो. रिपुसुदन सिंह ने विकसित भारत और विश्व बंधुत्व की संकल्पना को सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति से जोड़ते अपना व्याख्यान दिया। सेमिनार के सह-संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा करते हुए बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विषय के विविध आयामों पर चर्चा की। समापन सत्र के अंत में सेमिनार के संयोजक प्रो. राजीव कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रो. चंचल कुमार शर्मा, प्रो. रमेश कुमार, डा. श्रीराम पांडे, डा. अभिरंजन, डा. कुलभूषण, डा. रवि प्रताप पांडे, डा. स्वाति,, डा. सोहन, डा. सोमैला आदि के योगदान की सराहना की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 08-02-2025**

संविधान से प्रेरणा लेकर शांति और न्याय की राह पर अग्रसर हों : प्रो. सुनील कुमार

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा 'हम लोग एट 75= सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति की दिशा में विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार का शुक्रवार को समापन हो गया। भारतीय वैश्विक परिषद् (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में जवाहरलाल नेहरु (जेएनयू), नई दिल्ली के मानवाधिकार केंद्र के निदेशक प्रो. शांतेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि तथा बीबीएओयू के प्रो. रिपुसुदन सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने समापन सत्र की अध्यक्षता की।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि अवश्य ही यह सेमिनार न्यायपूर्ण व शांतिपूर्ण समाज की दिशा में अकादमिक जगत की भूमिका को पुन: स्थापित करने में मददगार होगा। प्रो. सुनील कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि 'सामाजिक न्याय एवं वैश्विक शांति' हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। हमारा संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के आधार पर एक समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा विश्व बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पक्ष में रहा हैं। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. शांतेश कुमार सिंह ने भारतीय संविधान को विश्व शांति और सह-अस्तित्व के लिए प्रेरक बताते हुए कहा कि भारत ने हमेशा से शांति व मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी है। सेमिनार के सह-संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रतिभागियों से साझा करते हुए बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विषय के विविध आयामों पर चर्चा की। समापन सत्र के अंत में सेमिनार के संयोजक प्रो. राजीव कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रो. चंचल कुमार शर्मा, प्रो. रमेश कुमार, डॉ. श्रीराम पांडे, डॉ. अभिरंजन, डॉ. कुलभूषण, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. स्वाति,, डॉ. सोहन, डॉ. सोमैला आदि के योगदान की सराहना की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के समापन अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो रिपुसूदन सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो राजीव कुमार सिंह।

इससे पूर्व सेमिनार के दूसरे दिन ऑनलाइन तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने की जबकि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. अपर्णा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। इस सत्र में 25 शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। साथ ही ऑफलाइन सत्र की अध्यक्षता रांची विश्वविद्यालय की प्रो. श्रेया पांडे ने की। इस सत्र में डॉ. स्वाति, डॉ. सोहन, डॉ., सोमेला व डॉ. मनीषा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। इस सत्र में 24 शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 08-02-2025**

2-DAY NAT'L SEMINAR CONCLUDES

Mahendragarh: The two-day national seminar organised by the Department of Political Science and the Department of Law, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, on the topic "We the People @ 75: Navigating Social Justice and Global Peace" sponsored by the Indian Council of World Affairs concluded on Friday. Day 2 of the seminar began with an online technical session, chaired by Rajender Meena from the Department of Commerce, and featuring Aparna from CUJ as the keynote speaker. Twenty-five research scholars from 10 states participated in the event. Simultaneously, an offline session, chaired by Shreya Pandey of Ranchi University was held, and witnessed 24 scholars presenting their research papers. The valedictory session was chaired by Suneel Kumar, with Shantesh Kumar Singh (JNU, Director, Human Rights Centre) as the chief guest and Ripusudan Singh (BBAOU) as the keynote speaker. Singh discussed Viksit Bharat and Vishva Bandhutvam in relation to social justice and global peace. The seminar concluded with a report presentation by organising secretary Pradeep, highlighting the participation of over 100 scholars from different universities and states.

Haryana Tribune Sun, 09 February 2
https://epaper.tri